Naveen Shodh Sansar (An International Refereed / Peer Review Multidisciplinary Research Journal)
RNI No.- MPHIN/2013/60638, ISSN 2320-8767, E- ISSN 2394-3793, Scientific Journal Impact Factor (SJIF)- 8.054,
October to December 2024, E-Journal, Vol. I, Issue XLVIII, ISO 9001:2015 - E2024049304 (QMS)

मध्य प्रदेश के शासकीय गोदामों की अवस्थिति और भण्डारण व्यवस्था (उज्जैन संभाग के संदर्भ में एक अध्ययन)

डॉ. मनु गौतम* लवकुश पाटीदार**

* एसोसिएट प्रोफेसर (अर्थशास्त्र) म. प्र. सामजिक शोध संस्थान, भरतपुरी, उज्जैन (म.प्र.) भारत
** अतिथि विद्वान, भगतसिंह शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जावरा, जिला रतलाम (म.प्र.) भारत

प्रस्तावना – प्रस्तुत शोध पत्र मध्य प्रदेश के उज्जैन संभाग के शासकीय गोदामों की अवस्थिति और भण्डारण व्यवस्था के आर्थिक अध्ययन पर आधारित है। खाद्य आपूर्ति की माँग पहले से कहीं अधिक है, और इससे फ़सल की पैदावार बढ़ी है, जिसके परिणामस्वरूप खाद्यान्नों का गोदामों में भंडारण बढ़ गया है। हालाँकि, खाद्य सुरक्षा, भोजन की उपलब्धता और उस तक पहुँच, दोनों से प्रभावित होती है, जिससे भूख और कुपोषण जैसी समस्याओं के समाधान के लिए यह उपाय अपर्याप्त हो जाता है। कवक, घुन, जीवाणु, कीट, कृंतक और अन्य जैविक घटक नुकसान में योगदान करते हैं। तापमान और भंडारण तकनीक, अन्य बातों के अलावा, अजैविक कारकों के कारण भंडारण में नुकसान का कारण बन सकते हैं।

अध्ययन के उद्देश्य:

1. उज्जैन संभाग के शासकीय गोदामों की अवस्थिति को जानना।
2. उज्जैन संभाग के शासकीय गोदामों के भण्डारण प्रबन्ध को जानना।

निदर्शन तथा तथ्य संकलन – प्राथमिक तथ्य संकलन में उज्जैन संभाग के सात जिलो में तहसील स्तर पर शासकीय भण्डारगृहों को सम्मिलित किया गया है। प्रत्येक जिले से दो तहसील से दो-दो शासकीय भण्डारगृहों का चयन किया किया गया है जिसके अन्तर्गत कुल गोदाम की संख्या 28 हैं। उक्त गोदामों का व्यक्तिगत अवलोकन और गोदामों में कार्यरत अधिकारी, कर्मचारी एवं सदस्य किसानों एवं व्यापारियों का साक्षात्कार के माध्यम से प्राथमिक तथ्यों एवं जानकारी का संकलन किया गया है।

गोदाम तक सड़क की स्थिति – उज्जैन संभाग के शासकीय भण्डारगृहों का अवलोकन एवं लाभार्थियों से तथ्य संकलन करने पर पाया गया कि 10.71 प्रतिशत गोदामों तक जाने वाली सड़क बहुत ही अच्छी पाई गई एवं 28.57 प्रतिशत गोदामों तक जाने वाली सड़क औसत दर्जे की है तथा 46.43 प्रतिशत गोदामों तक जाने वाली सड़क औसत से भी कम दर्जे की थी जबकि 14.29 प्रतिशत गोदामों तक जाने वाली सड़क बहुत खराब थी। इन सड़कों पर वाहनों का माईलेज कम होता है और मेंटेनेंस बढ़ता है जिससे अर्थिक हानि होती है।

वाहन सहित वजन लेने की व्यवस्था – उज्जैन संभाग के शासकीय भण्डारगृहों का अवलोकन एवं लाभार्थियों से तथ्य संकलन करने पर पाया गया कि 7.14 प्रतिशत गोदामों में वाहन सहित वजन लेने की व्यवस्था बहुत अच्छी है एवं 21.43 प्रतिशत गोदामों में औसत दर्जे की है तथा 42.86 प्रतिशत गोदामों में औसत से भी कम दर्जे की थी जबकि 28.57 प्रतिशत गोदामों में वाहन सहित वजन लेने की व्यवस्था बहुत खराब थी। गोदामों वाहन सहित वजन लेने की व्यवस्था सही होने से तौल सही होता है जिससे अर्थिक हानि नहीं होती है।

माल लेने की प्रक्रिया – उज्जैन संभाग के शासकीय भण्डारगृहों के अवलोकन में पाया गया कि 17.86 प्रतिशत गोदामों में माल लेने की व्यवस्था बहुत अच्छी है एवं 28.57 प्रतिशत गोदामों में माल लेने की व्यवस्था औसत दर्जे की है तथा 32.14 प्रतिशत गोदाम में माल लेने की व्यवस्था औसत से भी कम दर्जे की थी जबकि 21.43 प्रतिशत गोदामों में माल लेने की व्यवस्था बहुत खराब थी। गोदामों में माल लेने की व्यवस्था सही न होने से अर्थिक हानि होने की संभावना होती है।

ड्रेनेज सुविधा – उज्जैन संभाग के भण्डारगृहों के अवलोकन में पाया गया कि 14.29 प्रतिशत गोदामों में वर्षा जल के लीकेज और ड्रेनेज सुविधा बहुत अच्छी है एवं 21.43 प्रतिशत गोदामों में वर्षा जल के लीकेज और ड्रेनेज सुविधा औसत दर्जे की है तथा 25.00 प्रतिशत गोदामों में वर्षा जल के लीकेज और ड्रेनेज सुविधा औसत से भी कम दर्जे की थी जबकि 39.29 प्रतिशत गोदामों में वर्षा जल के लीकेज और ड्रेनेज सुविधा बहुत खराब थी। गोदामों में वर्षा जल के लीकेज और ड्रेनेज सुविधा सही न होने से अर्थिक हानि होने की संभावना होती है।

क्षमता का आकलन – उज्जैन संभाग के भण्डारगृहों के अवलोकन में पाया गया कि 57.14 प्रतिशत गोदामों में भंडारण से पूर्व क्षमता के आकलन की व्यवस्था बहुत अच्छी है एवं 14.29 प्रतिशत गोदामों में क्षमता के आकलन की व्यवस्था औसत दर्जे की है तथा 17.86 प्रतिशत गोदामों में भंडारण से पूर्व क्षमता के आकलन की व्यवस्था औसत से भी कम दर्जे की थी जबकि 10.71 प्रतिशत गोदामों में भंडारण से पूर्व क्षमता के आकलन की व्यवस्था बहुत खराब थी। गोदामों में भंडारण से पूर्व क्षमता के आकलन सही न होने से अर्थिक हानि होने की संभावना होती है।

कीटनाशक उपचार – उज्जैन संभाग के भण्डारगृहों के अवलोकन में पाया गया कि 25.00 प्रतिशत गोदामों में कीटनाशक उपचार का स्तर बहुत अच्छा है एवं 25.00 प्रतिशत गोदामों में कीटनाशक उपचार औसत दर्जे का है तथा 25.00 प्रतिशत गोदामों में कीटनाशक उपचार का स्तर औसत से भी कम दर्जे की थी जबकि 25.00 प्रतिशत गोदामों में कीटनाशक उपचार का स्तर बहुत खराब था। गोदामों में कीटनाशक उपचार सही न होने से अर्थिक हानि होने की संभावना होती है।

अग्निशमन की व्यवस्था – उज्जैन संभाग के भण्डारगृहों के अवलोकन में पाया गया कि 28.57 प्रतिशत गोदामों में अग्निशमन की व्यवस्था का स्तर बहुत अच्छा है एवं 28.57 प्रतिशत गोदामों में अग्निशमन की व्यवस्था औसत दर्जे की है तथा 21.43 प्रतिशत गोदामों में अग्निशमन की व्यवस्था औसत से भी कम दर्जे की थी जबकि 21.43 प्रतिशत गोदामों में अग्निशमन की व्यवस्था का स्तर बहुत खराब था। गोदामों में अग्निशमन की व्यवस्था सही न होने से अर्थिक हानि होने की संभावना होती है।

सफाई का स्तर – उज्जैन संभाग भण्डारगृहों के अवलोकन में पाया गया कि 21.43 प्रतिशत गोदामों में भंडारण के दौरान सफाई का स्तर बहुत अच्छा है एवं 10.71 प्रतिशत गोदामों में भंडारण के दौरान सफाई का स्तर औसत दर्जे का है तथा 32.14 प्रतिशत गोदामों में भंडारण के दौरान सफाई का स्तर औसत से भी कम दर्जे का था जबकि 35.71 प्रतिशत गोदामों में भंडारण के दौरान सफाई का स्तर बहुत खराब था। गोदामों में सफाई का स्तर सही न होने से अर्थिक हानि होने की संभावना होती है।

वायु के आगमन का स्तर – उज्जैन संभाग के भण्डारगृहों के अवलोकन में पाया गया कि 25.00 प्रतिशत गोदामों में वायु के आगमन का स्तर बहुत अच्छा है एवं 28.57 प्रतिशत गोदामों में वायु के आगमन का स्तर औसत दर्जे का है तथा 28.57 प्रतिशत गोदामों में वायु के आगमन का स्तर औसत से भी कम दर्जे का था जबकि 17.86 प्रतिशत गोदामों में वायु के आगमन का स्तर बहुत खराब था। गोदामों में वायु के आगमन का स्तर सही न होने से अर्थिक हानि होने की संभावना होती है।

चूहों और दीमक के लिए प्रबन्धन – उज्जैन संभाग के भण्डारगृहों के अवलोकन में पाया गया कि 25.00 प्रतिशत गोदामों में चूहों और दीमक का प्रबन्धन बहुत अच्छा है एवं 28.57 प्रतिशत गोदामों में चूहों और दीमक का प्रबन्धन औसत दर्जे का है तथा 17.86 प्रतिशत गोदामों में चूहों और दीमक का प्रबन्धन औसत से भी कम दर्जे का था जबकि 28.57 प्रतिशत गोदामों में चूहों और दीमक के लिए प्रबन्धन बहुत खराब था। गोदामों में चूहों और दीमक के लिए प्रबन्धन सही न होने से अर्थिक हानि होने की संभावना होती है।

गुणवत्ता में गिरावट की निगरानी – उज्जैन संभाग के भण्डारगृहों के अवलोकन में पाया गया कि 32.14 प्रतिशत गोदामों में गुणवत्ता में गिरावट की अग्रिम निगरानी बहुत अच्छी थी एवं 21.43 प्रतिशत गोदामों में गुणवत्ता में गिरावट की अग्रिम निगरानी औसत दर्जे की है तथा 25.00 प्रतिशत गोदामों में गुणवत्ता में गिरावट की अग्रिम निगरानी औसत से भी कम दर्जे की थी जबकि 21.43 प्रतिशत गोदामों में गुणवत्ता में गिरावट की अग्रिम निगरानी बहुत खराब थी। गोदामों में गुणवत्ता की अग्रिम निगरानी सही न होने से अर्थिक हानि होने की संभावना होती है।

भार की हानि – उज्जैन संभाग के भण्डारगृहों के अवलोकन में पाया गया कि 17.86 प्रतिशत गोदामों से माल लेने पर भार की हानि का स्तर बहुत कम था एवं 28.57 प्रतिशत गोदामों से माल लेने पर भार की हानि का स्तर औसत दर्जे का था तथा 32.14 प्रतिशत गोदामों से माल लेने पर भार की हानि का स्तर औसत से अधिक था जबकि 21.43 प्रतिशत गोदामों से माल लेने पर भार की हानि का स्तर बहुत अधिक था। गोदामों से माल लेने पर भार की हानि का आर्थिक हानि से सीधा सम्बन्ध होता है।

वाणिज्यिक कीमत की हानि – उज्जैन संभाग के भण्डारगृहों के अवलोकन में पाया गया कि 28.57 प्रतिशत गोदामों से माल लेने पर वाणिज्यिक हानि का स्तर बहुत कम था एवं 28.57 प्रतिशत गोदामों से माल लेने पर वाणिज्यिक हानि का स्तर औसत दर्जे का था तथा 21.43 प्रतिशत गोदामों से माल लेने पर वाणिज्यिक हानि का स्तर औसत से अधिक था जबकि 21.43 प्रतिशत गोदामों से माल लेने पर वाणिज्यिक हानि का स्तर बहुत अधिक था। गोदामों से माल लेने पर वाणिज्यिक हानि का आर्थिक हानि से सीधा सम्बन्ध होता है।

निष्कर्ष – 46.43 प्रतिशत गोदामों तक जाने वाली सड़क औसत से भी कम दर्जे की थी जबकि 7.14 प्रतिशत गोदामों में वाहन सहित वजन लेने की व्यवस्था बहुत अच्छी है। 32.14 प्रतिशत गोदाम में माल लेने की व्यवस्था औसत से भी कम दर्जे की थी जबकि 39.29 प्रतिशत गोदामों में वर्षा जल के लीकेज और ड्रेनेज सुविधा बहुत खराब थी। 57.14 प्रतिशत गोदामों में भंडारण से पूर्व क्षमता के आकलन की व्यवस्था बहुत अच्छी है एवं 25.00 प्रतिशत गोदामों में कीटनाशक उपचार का स्तर औसत से भी कम दर्जे का था। 21.43 प्रतिशत गोदामों में अग्निशमन की व्यवस्था का स्तर बहुत खराब था तथा 32.14 प्रतिशत गोदामों में भंडारण के दौरान सफाई का स्तर औसत से भी कम दर्जे का था।28.57 प्रतिशत गोदामों में वायु के आगमन का स्तर औसत दर्जे का है एवं 17.86 प्रतिशत गोदामों में चूहों और दीमक का प्रबन्धन औसत से भी कम दर्जे का था।21.43 प्रतिशत गोदामों में गुणवत्ता में गिरावट की अग्रिम निगरानी औसत दर्जे की है तथा 32.14 प्रतिशत गोदामों से माल लेने पर भार की हानि का स्तर औसत से अधिक था।

सुझाव – गोदामों की निरंतर निगरानी की जा सकती है और कारकों को नियंत्रित करने के लिए उचित उपचार किया जा सकता है। अनाज के भंडारण को उन सभी कारकों से सुरक्षित रखने के लिए, जो इसे नष्ट कर सकते हैं, नियंत्रण उपायों की आवश्यकता है। भंडारण से पहले अनाज की उचित सफाई सुनिश्चित करने के लिए, सख्त सफाई प्रक्रियाओं का पालन किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, अनाज की जाँच यह सुनिश्चित करने के लिए की जानी चाहिए कि उन्हें धूप में और फिर पूरी तरह से छाया में सुखाया गया हो। कीटों से बचाव के लिए धूम्रीकरण भी आवश्यक है।

संदर्भ ग्रंथ सूची :–

1. Madhya Pradesh Warehousing and Logistics Corporation (2024) “Progress Report”, Government of Madhya Pradesh, Bhopal, page 22-23
2. Madhya Pradesh Warehousing and Logistics Corporation (2024) “Progress Report”, Ujjain Division Madhya Pradesh Warehousing and Logistics Corporation, Government of Madhya Pradesh, Ujjain Page 23

****